स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 को लेकर नगर निगम का अमला कमर कसा

भिलाईनगर। नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र में स्वच्छता सर्वेक्षण की टीम 2024 आने वाली है। नगर निगम भिलाई आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय स्वयं प्रत्येक दिन निरीक्षण कर रहे है। साथ में जोन आयुक्त, स्वास्थ्य अधिकारी, अभियंतागण, सहायक स्वास्थ्य अधिकारी, सहायक राजस्व अधिकारी, वार्ड के सुपरवाईजर आदि सब अपने–अपने कार्यो के प्रति मुस्दैत होकर कार्य कर रहे है। शुरू में आयुक्त स्वयं किसी भी जोन में बताकर जाते थे, अब आकस्मिक निरीक्षण करने किसी भी जोन के किसी भी वार्ड में पहुचं जाते है। वहां पर स्वयं निरीक्षण करते है संबंधित को बुलाकर जवाबदेही तय करते है। किसी प्रकार की लापरवाही पर संबंधित को नोटिस भी दिया जा रहा है। स्वच्छ सर्वेक्षण के दौरान प्रमुख रूप से नागरिको का फीड बैक बहुत महत्वपूर्ण है। ऑनलाईन लिंक सिस्टम के माध्यम से करना है। घर–घर कचरा संग्रहण, कबाड़ से जुगाड़, सीएनडी वेस्ट का उपयोग, मार्केट एवं चौंक चौराहो की सफाई, कचरो से पुनः उपयोग, कचरा में कमी लाना, पुराने कचरो को सही ढंग से सेग्रिगेट करना, कचरो से खाद बनाना, गीला एवं सूखा कचरा अलग–अलग देना, प्रमुख बाजारों में टाइम कचरा लेना, सुलभ शौचालय, उद्यान, तालाब, सड़क आदि की व्यवस्थित साफ–सफाई रखना, यह सब शामिल है। नगर निगम का पुरा प्रयास है कि पुराने रैकिंग में सुधार लाते हुए अच्छा कार्य किया जाये। वैशालीनगर विधायक रिकेश सेन, महापौर नीरज पाल ने सभी नागरिको से अपील की है कि अपने क्षेत्र की स्वच्छता गुणवत्ता में सुधार लाने के लिए अपना भरपूर सहयोग करें। आज इंदौर शहर स्वच्छता में नम्बर 1 पर है, क्योकिं वहा का प्रत्येक नागरिक सफाई में अपना योगदान देते है। कचरा इधर–उधर नहीं फेकते है, गीला एवं सूखा कचरा अलग–अलग कर देते है। इसी प्रकार हम सब भी भिलाई शहर को नम्बर 1 बनाने के लिए अपना योगदान दें। जिससे शहर को स्वच्छ एवं साथ–सुथरा बना सकें। अपना शहर भी अन्य शहरो की तरह साफ सुन्दर एवं स्वच्छता में अग्रणी रहे। जोन आयुक्त अजय सिंह राजपूत, येशा लहरे, सतीश यादव, अमरनाथ दुबे, कुलदीप गुप्ता, स्वास्थ्य अधिकारी जावेद अली, वरिष्ठ स्वच्छता निरीक्षक व्ही के सेमुवल, जोन स्वास्थ्य अधिकारी अंकित सक्सेना, अनिल मिश्रा, बीरेन्द्र बंजारे, हेमंत मांझी, सागर दुबे एवं जोन स्वच्छता निरीक्षकों को जिम्मेदारी दी गई है कि सभी लोग अपने अपने क्षेत्र में पूर्ण रूप से मुस्तैद रहे निगम के जो भी संसाधन है, उसका उपयोग करते हुए कार्य को अच्छे से करना है।